Mahmud Ghaznavi Biography - महमूद ग़ज़नवी के बारे में महत्वपूर्ण जानकरी

महमूद ग़ज़नवी सुबुक्तगीन का बेटा था और अपने पिता की मृत्यु के बाद महमूद ग़ज़नवी 998 ईस्वी में ग़ज़नी की गद्दी पर बैठा था

1000 ईस्वी से लेकर 1027 ईस्वी तक **महमूद ग़ज़नवी** ने भारत पर 17 बार आक्रमण किये। **महमूद ग़ज़नवी** के प्रमुख आक्रमण :

1000 ईस्वी में पहली बार पेशावर पर आक्रमण किया था

महमूद ग़ज़नवी ने 1001 ईस्वी में जयपाल के साथ युद्ध किया। इस युद्ध में जयपाल हार गया था और **महमूद ग़ज़नवी** ने जयपाल को बंदी बना लिया था

महमूद ग़ज़नवी ने 1008-1009 ईस्वी में बैहिन्द के राजा आनंद पाल को हराया

महमूद ग़ज़नवी ने 1014 ईस्वी में हरियाणा के थानेसर पर आक्रमण किया। ये राजा हर्षवर्धन की राजधानी थी

महमूद ग़ज़नवी ने 1018 ईस्वी में कन्नौज पर आक्रमण किया। ये राजा हर्षवर्धन की दूसरी राजधानी थी

महमूद ग़ज़नवी ने 1025 ईस्वी में गुजरात के सोमनाथ मंदिर को लुटा था

महमूद ग़ज़नवी ने 1027 ईस्वी में आगरा के निकट भीरा के किले पर आक्रमण किया । यह **महमूद ग़ज़नवी** का आखिरी आक्रमण था और बाबर का यह पहला आक्रमण था।

महमूद ग़ज़नवी को मूर्तिभंजक और बुतशिकन भी कहा जाता है क्योकि उसने बहुत सारे हिन्दू मंदिरो और देवी देवताओ की मूर्तियों को तोडा था और नष्ट किया था।

महमूद ग़ज़नवी के साथ भारत आने वाला लेखक - अलबरूनी था और अलबरूनी ही पुराणों का अध्ययन करने वाला पहला मुस्लिम था

haryanarojgar.com